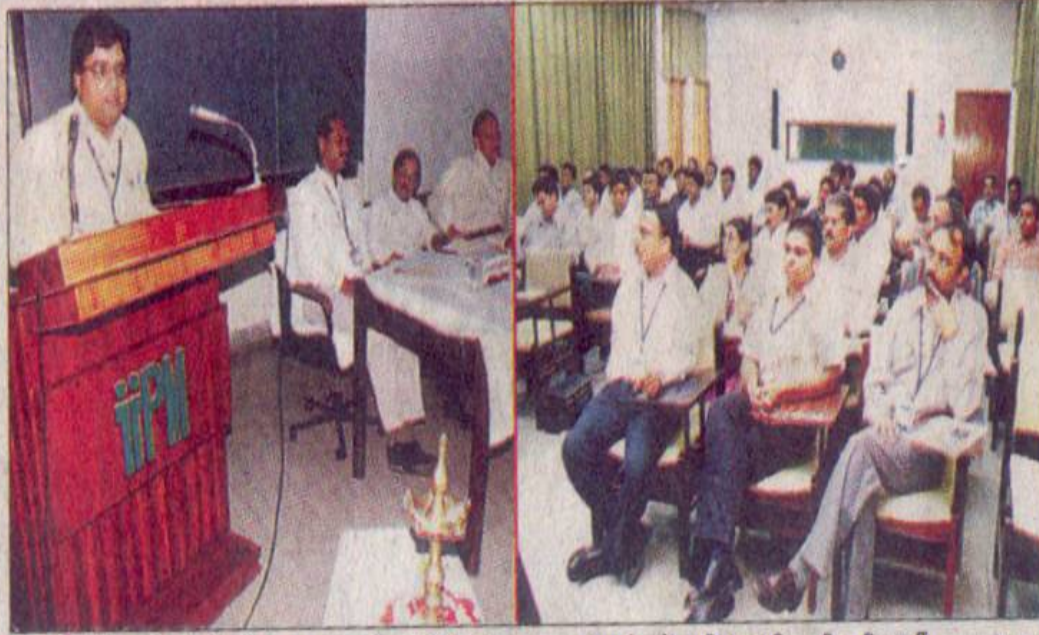


आईआईपीएम में पीजीडीईएम की पढ़ाई शुरू

जागरण संवाददाता, राउरकेला

देश की प्रख्यात प्रबंधकीय संस्थान आईडियन इंस्टीच्यूट ऑफ प्रोडक्शन मैनेजमेंट में पांचवें बैच का इंजीनियरिंग मैनेजमेंट की पढ़ाई शुरू हो गयी। उद्घाटन सत्र में जुटे प्रख्यात संस्थानों से पहुंचे पदाधिकारियों ने प्रबंधकीय विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास पर जोर दिया। वहीं आईआईपीएम ने अपने संस्थान की उपलब्धियां गिनार्थी। कांसबहाल स्थित आईआईपीएम में वर्ष 2006-07 के लिए पांचवें बैच के इंजीनियरिंग मैनेजमेंट प्रोग्राम सात अगस्त से शुरू हुआ। पूरक साल के पाठ्यक्रम के तहत मैकेनिकल एवं अन्य इंजीनियरिंग क्षेत्र के डिग्री इंजीनियरों को प्रबंधकीय की विभिन्न पहलुओं का अध्यापन कराया जायेगा। इस मौके पर एनआईटी के निदेशक प्रो. सुनील कुमार षांडंगी व एलएंडटी के जीएम एसके गुप्ता मुख्य रूप से



आईआईपीएम के पीजीडीईएम पाठ्यक्रम के पांचवें बैच के उद्घाटन समारोह में उपस्थित अधिकारी व विद्यार्थी जागरण

उपस्थित थे। पांचवें बैच में उड़ीसा के विभिन्न क्षेत्रों एवं पड़ोसी राज्यों के डेढ़ दर्जन से अधिक डिग्री इंजीनियरिंग छात्रों ने इंजीनियरिंग मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए नामांकन कराया है। इस पाठ्यक्रम के पांचवें बैच के विद्यार्थियों

में यहां अपना परिचय प्रदान करते हुए बताया कि आईआईपीएम की ख्याति व उपलब्धियों के चलते वे यहां नामांकन कराये हैं। समारोह को संबोधित करते हुए एनआईटी के निदेशक सुनील षांडंगी ने कहा कि किसी भी संस्थान से

निकले विद्यार्थियों के किसी भी कंपनी में नियुक्ति की महत्ता उस समय बढ़ जाती है, जब अच्छे वेतन के साथ प्रतिष्ठित कंपनियों उनके लिए आगे आये। उन्होंने यहां उपस्थित विद्यार्थियों से लगन से पढ़ाई कर बेहतर भविष्य

बनाने की नसीहत दी। वहीं एलएंडटी के जीएम एसके गुप्ता ने विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास पर जोर देते हुए युवाओं को देश का भविष्य बताया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक व आध्यात्मिक विकास होना जरूरी है। संस्थान के अपर निदेशक डा. मिहिर रंजन नायक ने आईआईपीएम द्वारा देश व विदेश में प्रबंधकीय क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों का बखान किया। उन्होंने कहा कि यहां से निकले 95 फीसदी विद्यार्थी का नियोजन नामी कंपनियों में हो रहा है। शीघ्र ही यह सौ फीसदी होगा, ऐसी उम्मीदें हैं। वहीं आईआईपीएम के सीवीएम के प्रमुख जेके श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्री में इंजीनियरिंग आपरेशन एवं मेनटेनेंस मैनेजमेंट की महत्ता पर प्रकाश डाला।